स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा

1612. **श्री दिलीप सिंह जूदेव :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1992–93 और 1993–94 के वर्षों के दौरान प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा देने से संबंधित योजनाओं को लागू करने पर कितनी धनराशि खर्च की गई तथा वर्ष 1994–95 के लिए इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि निर्धारित की गई है ;

(ख) 30 जून, 1994 की स्थिति के अनुसार राज्य-वार कितने प्राथमिक और अन्य स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा देने की व्यवस्था की गई है; और

(ग) इस योजना के अंतर्गत कितने व्यावसायों की शिक्षा आरम्भ की गई है और इसमें प्रतिवर्ष अनुमानत: कितने व्यक्ति प्रशिक्षित किए जाते हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के अंतर्गत 77 52 करोड़ रु० और 88.91 करोड़ रु० की राशि क्रमश: वर्ष 1992–93 तथा वर्ष 1993–94 के दौरान संस्वीकृत की गई है। इस समय, प्राथमिक स्तर पर इस योजना के कार्यान्वयन के लिए कोई प्रावधान नहीं है। 88.46 करोड़ रु० की राशि वर्ष 1994–95 के लिए निर्धारित की गई है।

(ख) राज्यवार स्थिति को दर्शाने वाला एक विवरण संलग्न है **(नीचे देखिए)** ।

(ग) उपलब्ध सूचना के अनुसार, कृषि, व्यापार और वाणिज्य, इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिक, स्वास्थ्य एवं अर्ध चिकित्सीय, मानवीकी और अन्य क्षेत्रों में 150 व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। औसतन 20–25 छात्रों को एक व्यावसायिक अनुभाग में नामांकित किया जाता है ।

विवरण

व्यावसायिक स्कूलों/संस्थाओं की संख्या

राज्य/संघ शासित प्रदेशों के नाम	व्यावसायिक संस्थाओं की संख्या
1. आन्ध्र प्रदेश	649
2. अरूणाचल प्रदेश	4
3. असम	150
4. बिहार	251
5. गोवा	33
6. गुजरात	364
7. हरियाणा	75
8. हिमाचल प्रदेश	40
9. जम्मू और कश्मीर	38
10. कर्नाटक	464

1		2
11.	केरल	235
12.	मध्य प्रदेश	390
13.	महाराष्ट्र	854
14.	मणिपुर	19
15.	मेघालय	10
16.	मिजोरम	17
17.	नागालैंड	8
18.	उड़ीसा	231
19.	पंजाब	282
20.	राजस्थान	155
21.	सिक्किम	7
22.	तमिलनाडु	600
23.	त्रिपुरा	2
24.	उत्तर प्रदेश	710
25.	पश्चिम बंगाल	39
26.	अंडमान और निकोबार	6
27.	चंडीगढ़	11
28.	दादरा और नगर हवली	2
29.	दमन और दीव	2
30.	दिल्ली	38
31.	लक्षद्वीप	—
32.	पांडिचेरी	12
		कुल 5701

Evaluatino of performasce of Schools by NCERT

1613. SHRI O. P. KOHLI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether National Council of Educational Research and Training (NCERT) had evaluated the performance of schools in some of the States and observed that very little number of schools had the necessary facilities, there being shortage of teachers and the scheme under which every second teacher to be a woman had not been implemented;

(b) if so, the details of the state where schools were evaluated by NCERT, the reasons for the lack of necessary facilities/infrastructure, shortage of teachers and every second teacher not being a woman;

(c) what steps Government have taken/propose to take to overcome these shortfalls;

(d) whether the Operation Research Group which had also evaluated the performance of some schools in some States found no toilets constructed in Schools;

(e) if so, the details thereof; and